सच्चाई के दम पर जोश के साथ...
प्रधान संपादक: रतन प्रकाश सिंह
www.swarajindianews.com
swarajindianews swarajindianews
दैनिक सांध्यकालीन
स्वराज इंडिया
कानपुर, बुधवार, 05 फरवरी, 2025
वर्ष: 02, अंक: 41, पृष्ठ: 8+4, मूल्य: ₹ 2/-

इनसाइड सरकारी सेवा से बर्खास्त हो सकते हैं न्यूरोलॉजिस्ट... » Pg03

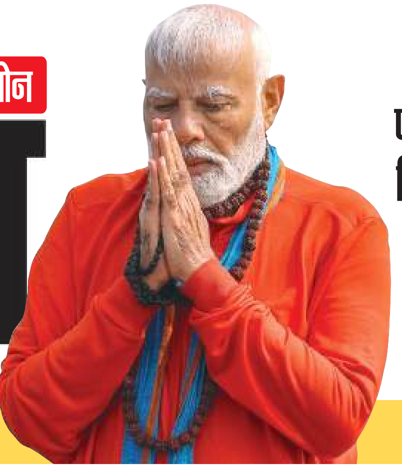

पीएम मोदी ने त्रिवेणी संगम में लगाई आस्था की डुबकी

» Pg12

मिल्कीपुर में 57, दिल्ली में दोपहर तीन बजे तक 47 फीसदी वोटिंग

राजधानी में 70 सीटों पर मतदान जारी । यूपी में भाजपा-सपा की प्रतिष्ठा दांव पर । सपा मुखिया ने लगाए फर्जी वोटिंग-बूथ कैप्चरिंग के आरोप

» प्रयागराज, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

मिल्कीपुर में उपचुनाव के लिए वोटिंग जारी है। एक बजे तक 44 प्रतिशत वोट मतदान हो चुका है। सुबह 9 बजे तक 13.34 फीसदी वोटिंग हुई। मतदान सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगा। इस उपचुनाव में 10 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। जिसका फैसला 3 लाख 70 हजार वोटर करने वाले हैं। हालांकि, महामुकाबला बीजेपी के चंद्रभान पासवान और समाजवादी पार्टी के अजीत प्रसाद के बीच है। सपा ने प्रशासन पर कार्यकर्ताओं को जबरन हिरासत में लेने के आरोप लगाए हैं। मुख्य मुकाबला भाजपा और सपा के बीच है। यह उपचुनाव सीएम योगी आदित्यनाथ और सपा प्रमुख अखिलेश यादव की प्रतिष्ठा का प्रतीक बन गया है।

मिल्कीपुर विधानसभा के बूथ संख्या 68, 144, 164, 165, 166, 167 और 168 पर प्रशासन और भाजपा नेताओं द्वारा फर्जी मतदान कराए जाने का आरोप लगा है। चुनाव आयोग से मांग की गई है कि वह संज्ञान लेकर निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करे और दोषियों पर कार्रवाई हो।

वहीं दूसरी ओर दिल्ली विधानसभा की सभी 70 सीटों के लिए बुधवार सुबह सात बजे से मतदान शुरू हो गया और मतदान शाम छह बजे तक चलेगा। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में दोपहर तीन बजे तक 47 प्रतिशत मतदान हुआ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, उपराज्यपाल वी के सक्सेना, मुख्यमंत्री आतिशी मार्लेना और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने राष्ट्रीय राजधानी के मतदाताओं से अपने घरों से बाहर निकलकर बढ़ चढ़कर मतदान करने की अपील की है।

पीएम मोदी ने पहली बार मतदान करने वाले नये युवा मतदाताओं से अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर लोकतत्र को मजबूत करने में अपनी भागीदारी निभाने की अपील की। राजधानी के अधिकतर मतदान केन्द्रों पर सुबह से ही मतदाताओं को मतदान करने के लिए देखा गया है। चुनाव आयोग ने शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरह से चुनाव कराने के लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किये हुए हैं।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में 699 प्रत्याशी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं, जिनके भाग्य को फैसला आज मतदाता इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन में बंद कर देंगे और सभी प्रत्याशियों की किस्मत फैसला आठ फरवरी को आयेगा। चुनाव तीन प्रमुख दलों-सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप), विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस पार्टी के बीच है। राष्ट्रीय राजधानी के कई सीटों पर त्रिकोणीय मुकाबला भी देखने को मिलेगा।

दिल्ली : फर्जी वोटिंग का आरोप, दो लोग हिरासत में

स्पेशल सीपी डीसी श्रीवास्तव ने कहा, अभी तक हमें पता चला है कि फर्जी वोटिंग के आरोप में 2 लोगों को हिरासत में लिया गया है, हम उन तथ्यों की जांच कर रहे हैं। सीलमपुर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी अनिल गौड़ ने कहा, 300-400 फर्जी वोटर उत्तर प्रदेश के लोनी से लाए गए हैं, मुझे ऐसा लग रहा है कि ये बांग्लादेशी हैं, इनमें महिला और पुरुष दोनों हैं। हमने ऐसे 25 लोगों को पकड़ा, यहां फर्जी वोटिंग हो रही थी। हमने इसे रोक दिया है। केजरीवाल फर्जी वोटिंग कर रहे हैं।

मतदाताओं का आईकार्ड चेक कर डरा रहे अफसर

इस बीच सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक तस्वीर पोस्ट कर आरोप लगाया है कि मिल्कीपुर के उपचुनाव में पुलिस अधिकारी मतदाताओं का आईकार्ड चेक कर उन्हें डराने की कोशिश कर रहे हैं। एक्स पर तस्वीर पोस्ट कर उन्होंने लिखा कि चुनाव आयोग तुरंत इस समाचार से जुड़ी तस्वीरों का संज्ञान ले कि अयोध्या की पुलिस मिल्कीपुर में मतदाताओं के आईडी कार्ड चेक कर रही है, जिसमें पुलिस के बड़े अधिकारी भी शामिल हैं। ये अप्रत्यक्ष रूप से मतदाताओं में भय उत्पन्न करके मतदान को प्रभावित करने का लोकतांत्रिक अपराध है। ऐसे लोगों को तुरंत हटाया जाए और दंडात्मक कार्रवाई की जाए।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के शिविर में लगी आग, दो टेंट जलकर खाक

जान-माल की हानि नहीं, समर्थकों ने जताई साजिश की आशंका

» महाकुंभ नगर, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

प्रयागराज महाकुंभ में आज एक बार फिर आग लग गई है। जानकारी के अनुसार सेक्टर 12 में ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के शिविर में आग लग गई। सुबह करीब सात बजे शिविर में एक साथ दो जगह पर आग लगी थी।

» **दो जगहों पर आग लगने से लाखों का नुकसान।**

» **फायर कर्मियों की सक्रियता से पाया आग पर काबू।**

पश्चिमी हिस्से में लगी आग में दो टेंट राख जल हो गए जबकि पूर्वी हिस्से में लगाई गई साधु कुटिया से भी उसी वक्त धुआं उठने लगा। वहां मौजूद महिला श्रद्धालु को सुरक्षित बाहर निकल गया। शिविर में दो जगहों पर आग लगने की घटना से लाखों का सामान जलकर राख हुआ। राहत की बात यह रही की कोई जनहानि नहीं हुई

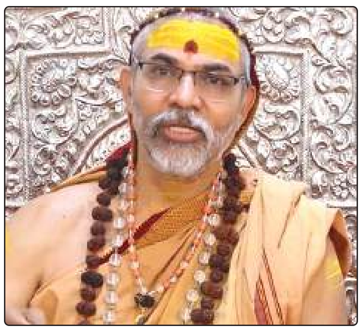

आग लगने की सूचना पर फायर ब्रिगेड की एक दर्जन से ज्यादा गाड़ियां मौके पर पहुंची। फायर ब्रिगेड कर्मचारियों ने फौरन आग पर काबू पाया। फायर डिपार्टमेंट के मुताबिक साधु कुटिया में इलेक्ट्रिक केतली का इस्तेमाल करने की वजह से शॉर्ट सर्किट हुआ था। शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी थी। हालांकि शंकराचार्य शिविर से जुड़े हुए लोगों ने इसके पीछे किसी साजिश की आशंका जताई है।

उनका कहना है कि एक साथ दो जगहों पर आग लगना महज संयोग नहीं हो सकता। महाकुंभ के चीफ फायर ऑफिसर प्रमोद शर्मा के मुताबिक फायर कर्मियों ने यहां सक्रियता दिखाई और आग पर तुरंत काबू पाया।

सेक्टर 12 के इसी शिविर में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती रोजाना धर्म संसद का आयोजन करते हैं। शिविर में सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालु रहते हैं।

रीजेंसी अस्पताल के मनमानी की जांच करेगी प्रशासनिक टीम

» विधायक अभिजीत सिंह सांगा ने लगाए थे आरोप शासन ने भेजा लेटर, तीन सदस्यीय टीम गठित

» सीएम योगी आदित्यनाथ के सामने विधायक ने उठाया था मामला

राहुल पाण्डेय, स्वराज इंडिया

कानपुर। बिठूर से बीजेपी विधायक अभिजीत सिंह सांगा के रीजेंसी अस्पताल पर लगाए आरोपों की जांच प्रशासन करेगा। इस संबंध में शासन की ओर से लेटर प्रशासन को भेजा गया है। लेटर में जिक्र है कि विधायक के लगाए गए अनियमितताएं के आरोप की जांच प्रशासनिक अफसर करें।

जांच की रिपोर्ट शासन ने मांगी है। जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी बनाई गई है। अंदरखाने की माने तो एडीएम सिटी की अध्यक्षता में सीएमओ और एसीएम 6 को कमेटी में रखा गया है। बताया जा रहा है कि सीएमओ जांच के लिए कोई एसीएमओ नियुक्त कर सकते हैं। सीएमओ के बाहर होने से उनसे बात नहीं हो सकी। एडीएम सिटी ने बताया कि रीजेंसी अस्पताल को जांच के संबंध में पत्र भेजा गया है। कमेटी जांच कर रही है। जांच के बाद रिपोर्ट शासन का भेजी जाएगी।

उत्तर प्रदेश के कानपुर में बिठूर विधानसभा से विधायक अभिजीत सिंह सांगा ने रीजेंसी अस्पताल में हो रहे भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाया और इससे सीएम योगी को भी अवगत कराया. जानकरी के मुताबिक, विधायक अभिजीत सांगा ने फेसबुक पर सबसे भ्रष्ट अस्पताल कानपुर का कौन है? इस पर जनता की राय ली. जिसमें ज्यादातर लोगों की शिकायत रीजेंसी अस्पताल को लेकर रही. उसके बाद विधायक ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को इस संबंध में एक पत्र लिखकर अस्पताल के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया. वहीं सीएम योगी से मिलकर उनसे जनता की तकलीफ को साझा करते हुए कहा कि मरीजों से बड़े पैमाने पर अस्पताल में धन उगाई की जाती है. मुंह खोलने पर तीमारदारों से मारपीट भी की जाती है. सीएम योगी आदित्यनाथ से विधायक ने कार्रवाई करने का आग्रह किया था. सूत्रों की माने तो शासन से रीजेंसी के जांच के संबंध में लेटर कमिश्नर विजयेंद्र पांडियन को भेजा गया था। इसके बाद मंडलायुक्त ने यह लेटर जिलाधिकारी को भेजा, इस पर जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने तीन सदस्यीय जांच कमेटी गठित की है।

स्वराज इंडिया कानपुर सिटी 03

रीजेंसी अस्पताल की धांधली के खिलाफ विधायक अभिजीत सांगा ने फूंका बिगुल

» मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर जांच करवाने की मांग की

» प्रबंध तंत्र अपने धन बल और रसूख के चलते नहीं सुनता है कोई कानून

» रीजेंसी अस्पताल में इलाज के नाम पर मरीज के बिक जाते हैं खेत, घर

सीजीएचएस पैनल से अस्पताल को किया गया था बाहर

स्वराज इंडिया कानपुर सिटी 03

इलाज के नाम पर मरीजों को लूटता है रीजेंसी अस्पताल: विधायक सांगा

» भाजपा विधायक अभिजीत सिंह सांगा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर दी जानकारी

» मुख्यमंत्री को सौंपा रिजेंसी अस्पताल से जुड़ा शिकायती पत्र

» तमाम शिकायतों के बाद भी नहीं होती कार्रवाई

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को शिकायती पत्र देते विधायक अभिजीत सांगा

सोशल मीडिया पर लिखा सबसे ज्यादा लूटने वाला अस्पताल

कानपुर यूनिवर्सिटी में तीन फरवरी से होगी राष्ट्रीय संगोष्ठी

आईजीआरएस रैंकिंग: नंबर बढ़े लेकिन रैंकिंग गिरी

जन शिकायत निस्तारण में 75 जिलों में 53वें स्थान पर कानपुर

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर।आईजीआरएस रैंकिंग में जिला चार अंक लुढ़का, लेकिन शिकायत निस्तारण में संतुष्टि का प्रतिशत बढ़ा है। दिसंबर माह में प्रदेश में 49वें पायदान पर रहा जिला इस माह चार अंक लुढ़ककर 53वें स्थान पर पहुंच गया है। देखें तो अलग-अलग बिंदुओं में कुल मिले अंकों में वृद्धि है। निचले स्तर पर अधिकारियों ने शिकायतों के निस्तारण में काम किया है। जिससे रैंकिंग में सुधार की उम्मीद है। एडीएम सिटी डॉक्टर राजेश कुमार ने बताया कि निगेटिव फीडबैक कम हुआ है, नंबर भी बढें हैं। खामियों पर लगातार काम किया जा रहा और सुधार किया जाएगा।आईजीआरएस यानी जनसुनवाई दो माह पहले 74वें पायदान पर पहुंच गई थी। उसके बाद जिला प्रशासन ने सख्ती बरती और सुधार आया। उतरती-चढ़ती रैंकिंग में कई विभाग ऐसे हैं, जिनके अधिकारियों ने ठीक से जिम्मेदारी नहीं निभाई। नगर निगम, जलकल, स्वास्थ्य विभाग, केस्को से लेकर दूसरे विभागों को नोटिस जारी हुई और जवाब तलब किया गया। नए जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने काम संभालते ही जनता दर्शन, निरीक्षणों से अधिकारियों को जिम्मेदारियों के प्रति संवेदनशील बनाने व सबकी जवाबदेही तय की। इससे जनवरी की रैंकिंग में 130 में 118 अंक मिले। दिसंबर में यह अंक 115 था। कुल अंकों में 90.77 प्रतिशत अंक मिले हैं।

सरकारी सेवा से बर्खास्त हो सकते हैं न्यूरोलॉजिस्ट डा. राघवेंद्र गुप्ता

» जीएसवी मेडिकल कॉलेज में तैनाती के दौरान प्राइवेट प्रैक्टिस में फंसने के बाद एक्शन में योगी शासन

» राज्यपाल से अनुमोदन के बाद अनुशासनात्मक कार्रवाई के तहत कमिश्नर कानपुर जांच अधिकारी नामित

» डा. गुप्ता का जांच के बाद तबादला झांसी मेडिकल कॉलेज किया गया है

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज कानपुर में तैनात न्यूरोलॉजी विभाग सर्जरी के सह आचार्य डा0 राघवेंद्र गुप्ता की सरकारी नौकरी पर संकट मंडरा रहा है। प्राइवेट

स्वराज इंडिया
कानपुर सिटी
03

गोपनीय जांच में फंसे हैलट अस्पताल के न्यूरोलॉजिस्ट डा. राघवेंद्र गुप्ता

» जीएसवीएम के प्रोफेसर डा. राघवेंद्र गुप्ता पर होगी दंडात्मक कार्रवाई

» काकादेव डबल पुलिया के पास न्यूरॉन नाम के निजी अस्पताल संचालन से लेकर प्राइवेट प्रैक्टिस की पुष्टि

» सीनियर-जूनियर रेजीडेंट पर अपने निजी अस्पताल में मरीज भेजने का बनाते हैं दबाव

एलआईयू की गोपनीय जांच डीएम के माध्यम से पहुंची सीएम कार्यालय

जूनियर डाक्टरों को भी प्राइवेट प्रैक्टिस के लिए प्रेरित करते है-एलआईयू रिपोर्ट

प्रैक्टिस मामले में फंसने के बाद शासन ने उनका तबादला झांसी मेडिकल कॉलेज कर दिया है। वहीं, अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए राज्यपाल से अनुमोदन मिल गया है। विभागीय कार्रवाई के लिए जांच कमिश्नर कानपुर को दी गई है। सूत्रों का कहना है कि इसमें वह सरकारी सेवा से बर्खास्त किए जा सकते हैं।

चिकित्सा शिक्षा अनुभाग-1 उप्र शासन द्वारा 4 फरवरी 2025 को संयुक्त सचिव मनोज कुमार सिंह के द्वारा जारी पत्र के अनुसार डा. राघवेंद्र गुप्ता तत्कालीन सह आचार्य न्यरोलॉजी राजकीय मेडिकल कॉलेज कानपुर ने अपने पदीय तैनाती के दौरान न्यूरॉन सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल नवीननगर में प्राइवेट प्रैक्टिस एवं एलएलआर हॉस्पिटल के सामने क्लीनिक एवं पैथालॉजी संचालित किया जा रहा था। इससे स्पष्ट है कि डा. गुप्ता लोक सेवक के रूप में अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों का पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से निर्वहन नहीं किया जा रहा है। उनके कृत्य से मेडिकल कॉलेज के छात्रों एवं वहां पर आने वाले रोगियों के हित में विपरीत प्रभाव हुआ। उपरोक्त अपकृत्य उप्र सरकारी आचरण नियमावली 1956 के विपरीत होने के कारण उप्र सरकारी सेवक-नियमावली 1999 के नियम-7 के अंतर्गत अनुशासनात्मक कार्यवाही संस्थित की जाती है। इसका अनमोदन राज्यपाल की ओर से प्राप्त किया गया। विभागीय कार्वाई के लिए आयुक्त कानपुर मंडल को पदेन जांच अधिकारी नामित किया जाता है। आयुक्त एक पक्ष में आरोपपत्र मय साक्ष्य को उपलब्ध कराया जाएगा। प्राइवेट प्रैक्टिस पर योगी सरकार के सख्त एक्शन से हडकंप मचा हुआ है। हैलट, उर्सला, कांशीराम सहित अन्य सरकारी संस्थान के डाक्टरों के द्वारा की जा रही है प्राइवेट प्रैक्टिस फिलहाल रोक दी गई है। इनपुट यह है कि हैलट के 60 प्रतिशत से अधिक चिकित्सक प्राइवेट प्रैक्टिस में इनवाल्व हैं।

नाले में मिला 18 दिन से लापता मूकबधिर युवक का शव

» हत्या की जांच, फोरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। नवाबगंज थानाक्षेत्र के आजाद पार्क के पास 18 दिनों से लापता मूकबधिर युवक का शन घर के पास नाले में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। इस दौरान वहां पर सैकड़ों लोगों की भीड़ लग गई।

सूचना पर एसीपी ने घटनास्थल पहुंचकर जांच शुरू की। पुलिस ने फोरेंसिक टीम के साथ साक्ष्य एकत्रित किए। पुलिस की जांच में शव कई दिन पुराना है। पुलिस हत्या कर नाले में शव फेंके जाने की बिंदु पर जांच कर रही है।

आजाद पार्क के पास मंगलवार शाम करीब चार बजे बच्चे मैच खेल रहे थे। इस दौरान उनकी बॉल नाले में चली गई। जब बच्चे नाले की तरफ बॉल उठाने गए तो उन्होंने एक शव देखकर स्थानीय लोगों को जानकारी दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जेसीबी से नाला तोड़कर शव को बाहर निकलवाया। वहीं हत्या कर शव नाले में फेंके जाने की आशंका पर एसीपी टीबी, सिंह ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू की।साथ ही फोरेंसिक टीम के बुलाकर साक्ष्य एकत्रित करवाए। घटनास्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे है। एसीपी के अनुसार मृतक की पहचान 26 वर्षीय प्रयास चतुर्वेदी के रूप में हुई है। जो गूंगे और बहरे थे। परिजनों ने उनकी गुमशुदगी 16 जनवरी 2025 को दर्ज कराई थी। तब से पुलिस उनकी तलाश कर रही थी।

आईजीआरएस के समाधान में टॉप पर कानपुर पुलिस

कानपुर कमिश्नर अखिल कुमार समेत अन्य अधिकारियों की कार्यकुशलता पर सफलता कि मोहर

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। दिन प्रतिदिन कानपुर पुलिस सफलता के नए-नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है,कानपुर कमिश्नर अखिल कुमार समेत कानपुर के तमाम डीसीपी ने धरातल पर उतरकर जनता की समस्याओं का समाधान करने के लिए मोर्चा बहुत पहले ही संभाल लिया है,अब कानपुर में हाल कुछ ऐसा है कि बड़े से बड़े दबंग और माफिया भी थरथर कांप रहे है,और सही तरीके से जीवन जीने वाले शिष्ट लोग बेखौफ होकर अपना जीवन जी रहे हैं ।बीते दिनों कुछ ऐसी ही फोटो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई,जिसमें कानपुर कमिश्नर अखिल कुमार एक ग्रामीण पोशाक पहने व्यक्ति के सामने खड़े होकर बहुत अच्छे मित्र की तरह उनकी बातों को सुन रहे हैं,आसपास के लोग भी ऐसे ही खड़े हैं,तो वहीं कुछ लोग इस पूरी घटना को कमरे में कैद भी कर रहे हैं।

इस फोटो ने तमाम लोगों को प्रेरणा दी,और कानपुर में मजबूत मित्र पुलिस की छवि निकलकर सामने आई,तब बताया गया कि जिस व्यक्ति से कमिश्नर एक मित्र की भांति वार्तालाप कर रहे थे,वह व्यक्ति कानपुर कमिश्नर अखिल कुमार के गांव का चौकीदार था,अभी यह तो एक बात रही,अब आगे मित्र पुलिस का अगला उदाहरण सुनिए,इसके लिए हमें कानपुर क्षेत्र के पूर्वी जोन की तरफ चलना करना होगा,यहां पर आपको तमाम लोग ऐसे मिल जाएंगे,जो आंखों में आंसू भर यह कहते नजर आएंगे कि जब से पूर्वी जोन में डीसीपी श्रवण कुमार सिंह बने हैं, तब से दबंगों का दमन हो गया है, पुलिस सेवा भाव से काम कर रही है, दलाल का पूर्वी जोन में प्रवेश प्रतिबंधित हो गया है! यहां पर तमाम लोगों की जमीन जो बीते वर्षों माफिया द्वारा कब्जे में ली गई थी,अब वह मुक्त हो चुकी है,इसी पूर्वी जोन का सबसे बड़ा होटल मेघदूत भी पुलिस की कार्य कुशलता की कहानी कहता है,जिन लोगों ने इस मेघदूत होटल पर कब्जा करना चाहा वह लोग पुलिस कि कार्य कुशलता के बल पर मेघदूत होटल की चाबी उनके मालिकों तक पहुंचाने के लिए विवश हो गये,ऐसे पता नहीं तमाम किस्से हैं,जो कानपुर पुलिस को टॉप वन पर बनाएं हुए हैं,इन्हीं सबका परिणाम है कि कानपुर कमिश्नरेट पुलिस को आईजीआरएस मूल्यांकन में 125 अंक में से पूरे के पूरे अंक प्राप्त हुए हैं,और कानपुर पुलिस ने टॉप वन जगह बनाकर पूरे उत्तर प्रदेश पुलिस को प्रेरणा दे डाली है।

सेल्स मैनेजर ने फांसी लगाकर दी जान

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर में सोमवार देर रात युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी। शव लटकता देख परिजनों के होश उड़ गए। आनन-फानन में दरवाजा तोड़कर युवक का शव निकाला गया। घटना के बाद से ही परिजन रो-रोकर बेहाल हो गए। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने मामले में जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पूरा मामला मूलगंज थानाक्षेत्र का है।पत्नी बेटी को लेकर मायके में रह रही थी

मूलगंज थानाक्षेत्र के नई सड़क चौबे गोला निवासी यश शुक्ला (33) इंश्योरेंस कंपनी में सेल्स मैनेजर के पद पर तैनात था। उसके परिवार में मां उमा, छोटा भाई वैभव शुक्ला, पत्नी रंजना व ढाई साल की बेटी शिवि है। बीते एक माह पहले पत्नी बेटी को लेकर अपने मायके लाल बंगला चली गई थी। काफी बुलाने के बाद भी वह वापस नहीं लौट रही थी। अवसाद में आकर यश ने आत्महत्या कर ली।

बेटी से बात नहीं करा रहा थी पत्नी, मोबाइल पर मैसेज भी नहीं देखा

परिजनों का आरोप है कि यश अपनी बेटी शिवि से बात करने के लिए परेशान रहता था। बीते एक सप्ताह से वह अपनी पत्नी को फोन कर बेटी से बात कराने के लिए कह रहा था। लेकिन पत्नी ने बात नहीं कराई। इतना ही नहीं, बेटी से बात करने के लिए उसने पत्नी के मोबाइल पर मैसेज भी किया। पत्नी रंजना ने मैसेज सीन करने के बाद रिप्लाई नहीं किया।

मामा की बेटी की शादी में भी नहीं आई

परिजनों का आरोप है कि बीते 18 जनवरी को मामा की बेटी की शादी थी। पति ने कई बार फोन कर शादी में आने के लिए कहा, लेकिन वह नहीं आई। इधर, शादी के दौरान रिश्तेदारों के बार-बार रंजना को पूछने से पति यश और परेशान रहने लगा था। वहीं, मूलगंज थानाप्रभारी रीकेश कुमार सिंह का कहना है कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

स्वराज इंडिया

www.www.swarajindianews.com.com

वैचारिक मंच

05

कानपुर, बुधवार 05 फरवरी, 2025

सम्पादकीय

अवैध प्रवास रोकने पर गंभीर पहल हो

यह विडंबना ही है कि पूरे विश्व को लोकतांत्रिक मूल्यों, मानव अधिकारों व आदर्श जीवन मूल्यों की नसीहत देने वाले अमेरिका ने विभिन्न देशों के कथित अवैध प्रवासियों को उनके देश भेजने की कार्रवाई को बलपूर्वक अंजाम दिया है। सुनहरे सपनों की आस में घर-खेत दांव पर लगाकर व एजेंटों को लाखों रुपये देकर अमेरिका पहुंचे युवाओं ने सपने में नहीं सोचा होगा कि उन्हें अपराधियों की तरह वापस उनके देश भेजा जाएगा। ये हमारे नीति-नियंताओं की विफलता ही है कि हमारी युवा शक्ति दुनिया के विभिन्न देशों में लुट-पिटकर अपमानजनक स्थितियों का सामना कर रही है। कभी उन्हें पूर्वी एशिया के देशों में साइबर अपराधी बंधक बनाकर ऑनलाइन धोखाधड़ी को अंजाम देते हैं, तो कभी उन्हें धोखे से बिचौलिए रूसी सेना में भर्ती करवा देते हैं। कभी उन्हें इस्राइल-हमास के भयावह युद्धग्रस्त इलाके में काम की तलाश में पहुंचा दिया जाता है। लाखों भारतवंशियों ने अपनी मेधा व पसीने से अमेरिका की प्रतिष्ठा पर चार-चांद लगाए हैं। अंतरिक्ष में इतिहास रचने वाली कल्पना चावला से लेकर भारतवंशी कमला हैरिस, जिन्होंने अपनी प्रतिभा से अमेरिका में उपराष्ट्रपति पद तक हासिल किया। यह विडंबना ही है कि मूलतः प्रवासियों द्वारा बसाये देश अमेरिका में आज सेना के बल पर बेहतर भविष्य की तलाश में आए प्रवासियों को खदेड़ा जा रहा है। मैक्सिको की सीमा पर दीवार खड़ी करके सेना तैनात की जा रही है। यह विडंबना ही कि प्रधानमंत्री मोदी की वाशिंगटन यात्रा से कुछ दिन पहले एक अमेरिकी सैन्य विमान से दो सौ से अधिक कथित अवैध भारतीय प्रवासियों को जबरन वापस भारत लाया गया है। निश्चित रूप से संकीर्णतावादी सोच का पक्षधर ट्रंप प्रशासन दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश भारत के साथ वैसा व्यवहार नहीं कर सकता जैसा कि वह अल साल्वाडोर, ग्वाटेमाला, होंडुरास, पेरू के प्रवासियों के साथ कर रहा है। हालांकि, एक अध्ययन में दावा किया गया है कि भारत, अमेरिका में गए सर्वाधिक अवैध अप्रवासियों वाले देशों में शुमार है।

निश्चित रूप से प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा से पूर्व जबरन की गई 'निर्वासन उड़ान' विसंगतियों व विडंबनाओं की ही घोतक है। हालांकि, भारत ने कूटनीतिक प्रयासों से अवैध अप्रवासन पर समयानुकूल निर्णय लेकर दोनों देशों में संबंध सामान्य बनाने का प्रयास किया। दरअसल, अमेरिका की हालिया यात्रा के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जमीनी स्तर पर बेहतर कूटनीतिक प्रयास किये। उन्होंने ट्रंप प्रशासन को इस बात को लेकर आश्वस्त किया कि भारत अपने भटके हुए नागरिकों की वैध वापसी के लिये तैयार है। निस्संदेह, भारत ने समझदारी से टकराव टालने का सार्थक प्रयास किया ताकि मोदी-ट्रंप की मुलाकात से पहले दोनों देशों के संबंधों में कड़वाहट न घुले।

जब डब्ल्यूएचओ से अमेरिका का बाहर होना टला

एन एन वोहरा

साल 1982 में मैं संयुक्त सचिव, स्वास्थ्य मंत्रालय के रूप में जेनेवा में डब्ल्यूएचए की मीटिंग में शामिल था व एजेंडा पर आयोग बी का अध्यक्ष था। तब अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के नेता डॉ. जॉन ब्रायंट ने फिलस्तीनियों के स्वास्थ्य के मसौदे पर ऐतराज जता अमेरिकी मदद रोकने की चेतावनी दी। मैंने विवादित बिंदु हटाकर नये सिरे से मसौदा बनाया। बैठक में प्रस्ताव पर सर्वसम्मति बनी तब डब्ल्यूएचओ महानिदेशक डॉ. हाफडान महलर ने मुझे गले लगा लिया व रुंधे गले से कहा 'मेरे दोस्त, डब्ल्यूएचओ को बचाने के लिए धन्यवाद।'

कुछ दिन पहले, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत चुनावी अभियान के दौरान किए गए वादों पर अमल करने के लिए कई आदेश जारी करके की। इनमें से एक घोषणा यह थी कि अमेरिका विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) को आर्थिक सहायता रोक देगा और संगठन त्याग देगा।

इस खबर ने चार दशक से भी पहले की एक घटना की याद को ताजा कर दिया, जब मैं स्वास्थ्य मंत्रालय में संयुक्त सचिव के पद पर कार्यरत था और मई, 1982 में स्विट्ज़रलैंड के जेनेवा में विश्व स्वास्थ्य सभा (डब्ल्यूएचए) की वार्षिक बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहा था। सम्मेलन के विस्तृत एजेंडा को विभाजित किया गया और इस पर ए और बी नामक दो आयोग बनाकर चर्चा की गई। 1982 में 163 सदस्यों वाले डब्ल्यूएचए ने सर्वसम्मति से मुझे आयोग बी की कार्यवाही की अध्यक्षता करने के लिए चयनित किया। जेनेवा में हमारे राजदूत एपी वेंकटेश्वरन ने इस पर नई दिल्ली को सूचित किया कि भारत के लिए यह एक उल्लेखनीय 'कूटनीतिक जीत' है।

मेरी अध्यक्षता के तीसरे दिन, एफ्रो-एशियाई देशों के एक समूह द्वारा प्रस्तुत एजेंडा के पहले आइटम में एक प्रस्ताव था, जिसका उद्देश्य इस्राइल के कब्जे वाले क्षेत्रों में रहने वाले फलस्तीनियों की खराब स्वास्थ्य स्थितियों की ओर ध्यान आकर्षित करना था। सभा में अभी-अभी पहुंचे डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक डॉ. हाफडान महलर मेरे बगल में बैठे थे, जब मैंने फलस्तीनी प्रतिनिधिमंडल के नेता को वह प्रस्ताव पेश करने के लिए आमंत्रित किया, जिसमें अन्य बातों के अलावा, इस विषय पर एक विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट का उल्लेख था, साथ ही इसमें इस्राइल के स्वास्थ्य मंत्रालय, फलस्तीन मुक्ति संगठन और फलस्तीनी शरणार्थियों को राहत प्रदान करने वाली विशेष संयुक्त राष्ट्र एजेंसी द्वारा प्रस्तुत रिपोर्टों का भी जिक्र था, इसमें संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के संबंधित प्रस्तावों का भी संदर्भ दिया गया था।

इससे पहले कि मैं इस मुद्दे पर बोलने के लिए अगले प्रतिनिधि को बुला पाता, डॉ. जॉन ब्रायंट, जो कि अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के जाने-माने नेता थे, अपने स्थान पर खड़े हो गए और गुस्से में 'नेम कार्ड' लहराते हुए तत्काल हस्तक्षेप करने की अनुमति मांगी। तल्ख शब्दों में डॉ. ब्रायंट ने शिकायत की कि यदि मसौदे के कुछ हिस्सों को तुरंत नहीं हटाया गया, तो 'इस्राइल के सदस्यता अधिकारों एवं सेवाओं को समाप्त करने में सबसे हानिकारक परिणाम होगा।' उन्होंने चेतावनी दी कि अगर इस विषय-वस्तु पर और आगे चर्चा की गई, तो उन्हें निर्देश दिया गया है कि 'बता दिया जाए कि अमेरिका, अभी और यहीं से, अपनी आर्थिक मदद निलंबित कर देगा और डब्ल्यूएचओ से हट जाएगा' (उस समय, डब्ल्यूएचओ के कुल बजट का लगभग 25 प्रतिशत धन अमेरिका देता था!)। डॉ. ब्रायंट के बयान के बाद, असेंबली हॉल में अभूतपूर्व हंगामा हुआ- परस्पर विरोधी पक्ष और उनके सभी समर्थक खड़े होकर चिल्ला रहे थे।

कारगर तंत्र बने महामारियों से निपटने को

महामारी

राजेश भाटिया

भविष्य की महामारियों पर नीति आयोग के एक हालिया दस्तावेज़ ने आपातकालीन स्वास्थ्य प्रबंधन कानून लागू करने की सिफारिश की है ताकि किसी सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट बनने की स्थिति में स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन, रोकथाम, नियंत्रण और प्रतिक्रिया बनाने के लिए त्वरित उपाय पहले से तैयार रहें। लोगों के ज़हन से कोविड-19 महामारी के दौरान हुई तबाही, मौतें और सामाजिक अफरातफरी का दृश्य और उससे पाई सीख धीरे-धीरे मिटती जा रही है। ऐसा होना नहीं चाहिए। इस किस्म की पूरी दुनिया को अपनी चपेट में लेने की क्षमता रखने वाली महामारी न तो पहली स्वास्थ्य आपात स्थिति थी और न ही आखिरी। कोई भी असाधारण घटना, जो बीमारी के अंतर्राष्ट्रीय प्रसार के माध्यम से सबके स्वास्थ्य के लिए जोखिम का कारण बन जाए, तो इसका मतलब है ऐसी गंभीर, अप्रत्याशित या असामान्य स्थिति बनना, जिससे निपटने के लिए समन्वित अंतर्राष्ट्रीय प्रतिक्रिया की आवश्यकता होती है।

वर्ष 2007 से लेकर, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने आधिकारिक तौर पर सात बार अंतर्राष्ट्रीय चिंता वाले सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किए हैं। जैसे कि, इन्फ्लुएंज़ा महामारी (2009), इबोला (2013-2015 और 2018-2020), पोलियो माइलाइटिस (2014 से अब तक), ज़ीका (2016), कोविड-19 महामारी (2020) और एमपॉक्स (2022 और 2024)। उनकी आवृत्ति और प्रसार की नियमितता के आलोक में, तार्किक रूप से यह अनुमान लगाया जा सकता है कि अगली एक महामारी हमारे दरवाजे पर दस्तक दे रही है। सवाल है कि महामारी का कारण क्या है? वर्तमान सहस्राब्दी के दौरान, अधिकांश महामारियां वस्तुतः पशुओं से मनुष्यों में दाखिल हुए वायरस के कारण बनी हैं, जो मूलतः वन्यजीवों के अंदर होते हैं, जहां पर उनके अंदर लाखों-लाख वायरस पल रहे होते हैं। इनमें से अधिकांश वायरस चमगादड़ों के माध्यम से वन्यजीवों से आसपास के जानवरों और मानव बस्तियों में पहुंचते हैं, जिससे स्थानीय स्तर के प्रकोप से लेकर बड़े पैमाने की महामारी बनती है या फिर महामारी बनने की संभावना बलवती हो जाती है। पर्यावरण का क्षरण, विशेष रूप से वनों की कटाई की वजह से, जंगली जीवों की निकटता घरेलू पशुओं एवं मानव बस्तियों से बढ़ जाती है, जिससे नए-नए वायरस के उभरने और फैलाव का खतरा पैदा हो जाता है। निस्संदेह, नित बन रही इन आपात स्थितियों को रोका नहीं जा सकता है, लेकिन उचित तैयारी के साथ, समुदायों के लिए बनने वाले जोखिमों को कम किया जा सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एक उपकरण-आधारित तंत्र विकसित करने और लागू करने के काम में समन्वय किया है। वर्ष 2005 का अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य विनियमन 193 सदस्य देशों के लिए कानूनी रूप से बाध्यकारी एक संधि है। यह राष्ट्रों से पारदर्शी तरीके से सार्वजनिक स्वास्थ्य आपदाओं की जानकारी साझा, स्वास्थ्य आपात स्थितियों की रोकथाम, उनका पता लगाने और प्रतिक्रिया के लिए अपनी राष्ट्रीय कोर क्षमता का निर्माण करने का आह्वान करता है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022 के स्व-मूल्यांकन के अनुसार, वैश्विक औसत 66 प्रतिशत के मुकाबले भारत का स्कोर 85 प्रतिशत रहा।

कपल्स के लिए स्वर्ग से कम नहीं ये जगहें!

अपने पार्टनर के साथ बनाइए प्लान

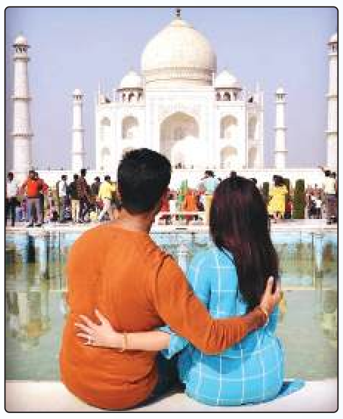

आज हम आपको कुछ ऐसी बेस्ट जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आप वैलेंटाइन डे पर अपने पार्टनर के साथ जाकर कुछ प्यार भरे पल बिता सकते हैं। तो आइए जानते हैं इन खूबसूरत और रोमांटिक डेस्टिनेशन के बारे में।

पर्यटन मंत्रा

डॉ पंचशील शर्मा

हर कपल के लिए वैलेंटाइन डे बेहद ही खूबसूरत दिन माना जाता हैं। फरवरी महीने में वैलेंटाइन वीक की शुरुआत 7 फरवरी से होती है। वहीं 14 फरवरी को वैलेंटाइन डे मनाया जाएगा। हर कपल वैलेंटाइन डे को अपने प्यार के साथ ऐसा पल बिताना चाहते हैं, जो उनके लिए यादगार बन जाए। क्योंकि यह ऐसा मौका है, जब वह अच्छे से अपने प्यार का इजहार कर पाते हैं। साथ ही अपने रिश्ते को खुशनुमा बना सकते हैं। इसलिए आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसी बेस्ट जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आप अपने पार्टनर के साथ जाकर कुछ प्यार भरे पल बिता सकते हैं। तो आइए जानते हैं इन खूबसूरत और रोमांटिक डेस्टिनेशन के बारे में...

मनाली

मनाली एक बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन है। ऐसे में वैलेंटाइन डे को यादगार बनाने के लिए इस जगह जा सकते हैं। ठंडी और बर्फीली जगह पर घूमना हर कपल को पसंद है। इसलिए आप वैलेंटाइन पर अपने पार्टनर के साथ मनाली आ सकते हैं। यहां की ठंडी हवाएं और बर्फ आपके वैलेंटाइन डे को शानदार व यादगार बना सकता है।

पुडुचेरी

इस वैलेंटाइन आप अपने पार्टनर के साथ समय बिताने के लिए पुडुचेरी जा सकते हैं। अगर आप अपने पार्टनर के साथ समुद्र की सैर करना चाहते हैं, तो यह डेस्टिनेशन आपके लिए बेस्ट है। यहां पर आपको भारत और फ्रेंच दोनों कल्चर देखने को मिलेंगे। पुडुचेरी में आप अपने पार्टनर के साथ क्वालिटी टाइम बिता सकते हैं। वहीं यहां पर घूमने के लिए फरवरी का महीना बेस्ट माना जाता है। क्योंकि इस समय पुडुचेरी का मौसम सुहाना रहता है।

ताजमहल

जब भी हम प्यार की निशानी की बात करते हैं, तो ताजमहल का जिक्र जरूर करते हैं। आज के समय में लोग इस जगह को लवर पॉइंट के नाम से भी जानते हैं। अगर आप भी इतिहास की इस प्रेम कहानी की निशानी को देखना चाहते हैं, तो आपको भी अपने पार्टनर के साथ इस वैलेंटाइन डे यहां पर पहुंच सकते हैं।

जम्मू-कश्मीर

वैलेंटाइन डे को खास बनाने के लिए आप अपने पार्टनर के साथ जम्मू-कश्मीर घूमने जा सकते हैं। कश्मीर को भारत का स्वर्ग कहा जाता है। फरवरी के महीने में यहां पर जमकर बर्फबारी होती है। यहां पर आप स्कीइंग और स्नोबोर्डिंग जैसी एक्टिविटी कर सकते हैं। वैलेंटाइन डे के मौके पर आप यहां पार्टनर के साथ अच्छा समय गुजार सकते हैं।

फ्लॉलेस मेकअप लुक के लिए फॉलो करें ये टिप्स

आएगा नेचुरल निखार, दिखेंगी खूबसूरत

मंजू अग्रवाल

आमतौर पर महिलाओं को मेकअप करना बहुत पसंद होता है, अगर स्किन के मुताबिक मेकअप न करें तो यह भद्दा दिखता है। स्किन के अनुसार मेकअप करना बेहद जरुरी है, आइए जानते हैं फ्लॉलेस मेकअप लुक के यह बहतरीन तरीके। मेकअप करने से पहले इन बातों का जरुर ध्यान रखें। आइए आपको बताते है फ्लॉलेस मेकअप लुक के टिप्स। मेकअप को लंबे समय तक टिकाए रखने के लिए टिप्स।

परफेक्ट मेकअप लुक एक सहज और बहतरीन फिनिश प्राप्त करता है जो आपके आत्मविश्वास और सुंदर महसूस कराता है। हालांकि, फ्लॉलेस मेकअप लुक पाना काफी चुनौतीपूर्ण हो सकता है, खासकर यदि आप सही तकनीक नहीं जानते हैं या सही उत्पादों का उपयोग नहीं करते हैं। लेकिन अब चिंता मत करो! यहां आपके फ्लॉलेस मेकअप लुक को निखारने के लिए कुछ आसान टिप्स दिए गए हैं। वहीं महिलाएं मेकअप का चुनाव करते समय कपड़ो के साथ-साथ स्किन का विशेष ख्याल रखें।

फेयर स्किन टोन वाली महिलाओं को वेज पिंक टिंट वाला फाउंडेशन सलेक्ट करना चाहिए। अगर आपका कॉम्प्लेक्शन यालोइश है तो आप वेज और ओरेंज अंडरटोन फाउंडेशन का इस्तेमाल कर सकते है। फेयर स्किन पर आइब्रो के लिए ब्लैक की जगह ब्राउन रंग की आइब्रो पेंसिल ज्यादा बेहतर है। ब्लैक आईलाइनर के साथ ब्राउन आईशैडो का इस्तेमाल करें। फेयर स्किन टोन वालों को गालों पर पिंक या रेज ब्लश का इस्तेमाल करना चाहिए। लाइट मेकअप पर पिंक या न्यूड लिपिस्टिक लगाएं।

डस्की स्किन के लिए मेकअप

डस्की स्किन वाली लड़कियों को वर्म टोन वाला फाउंडेशन चूज करना चाहिए। कंसीलर के लिए केरेमल शेड ले सकती है, डार्क सर्कल छुपाने के लिए सही ढंग से कंसीलर का प्रयोग करें। फाउंडेशन को ब्यूटी ब्लेंडर की मदद से ब्लेंड करें। डस्की स्किन वाले लोग आंखों के लिए ब्राइट कलर के आईशैडो का इस्तेमाल करें, इससे आपकी हाइलाइट अच्छे से होगी। डस्की स्किन के लिए रेड, कॉफी ब्राउन और मूव कलर की लिपिस्टिक बढ़िया लगेगी।

सांवली स्किन के लिए मेकअप

सांवली स्किन टोन वाली महिलाओं को ब्राउनिश शेड का फाउंडेशन का उपयोग करना चाहिए। सावले रंग पर ब्राउन रंग का ब्लश खूबसूरत लगता है। इसके साथ ही आप हाइलाइटर पाउडर का इस्तेमाल करें। आई मेकअप के लिए लाइट कलर यूज करें। स्मोकी आई लुक के लिए आप ब्लैक आईलाइनर को स्मज करके लगाएं और फिर हल्के ब्राउन रंग का आईशैडो लगाएं। सांवले रंग पर लिपिस्टिक के न्यूड शेड्स काफी परफेक्ट लगते हैं।

पाठकों की महफिल

कर रहा था ग़म-ए-जहाँ का हिसाब
आज तुम याद बे-हिसाब आए
- फ़ैज़ अहमद फ़ैज़

तमाम रात नहाया था शहर बारिश में
वो रंग उतर ही गए जो उतरने वाले थे
- जमाल एहसानी

और भी दुख हैं ज़माने में मोहब्बत के सिवा
राहतें और भी हैं वस्ल की राहत के सिवा
- फ़ैज़ अहमद फ़ैज़

अपने चेहरे से जो ज़ाहिर है छुपाएँ कैसे
तेरी मर्ज़ी के मुताबिक़ नज़र आएँ कैसे
- वसीम बरेलवी

पाठक सूचना

अगर आप सामाजिक, राजनीतिक लेख, कहानियां, गीत-गज़ल, स्वास्थ्य, मनोरंजन, शिक्षा, तकनीक अथवा घरेलू जानकारियों पर आलेख समाचार पत्र में प्रकाशित कराना चाहते हैं, तो अपने फोटोग्राफ के साथ मेल करें। हम उसे अवश्य प्रकाशित करेंगे।

ज्योतिष-फलादेश

संपर्क नंबर: 97959 86883

– पं. पंडित सत्यम विष्णु अवस्थी
आचार्य, ज्योतिष शास्त्र

मेष: साझेदारी में धन का निवेश लाभकारी रहेगा। पारिवारिक दायित्व की पूर्ति करेंगे। स्थानादि परिवर्तन के योग बनेंगे। स्त्री पक्ष से विरोध का सामना करना पड़ेगा। संतान सुख की प्राप्ति होगी।

वृषभ: तकनीकी खराबी के कारण आप के कार्य लंबित होंगे। आप की लापरवाही से कार्यक्षेत्र में समस्या उत्पन्न हो सकती है। व्यस्तता के कारण निजी जीवन में उथल-पुथल संभव है। मित्रों के साथ समय व्यतीत होगा।

मिथुन: आप की पिता के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। पुराने रोगों से परेशान रहेंगे। प्रभावशाली व्यक्तियों से लाभ मिलेगा। संपर्क क्षेत्र का विस्तार होगा। नौकरी में बदलाव होगा। स्वास्थ की चिंता रहेगी।

कर्क: परिवार में शुभ प्रसंग के अवसर आएंगे। परिजनों के सहयोग से ही कार्य होगा। भाग्य साथ देगा और आप की समस्या का समाधान होगा। जिस किसी पर आप शंका कर रहे हैं, वह गलत हैं। शुभ रंग- फिरोजी

सिंह: कारोबार में समय व परिस्थिति में सुधार होगा। कम समय में काम को पूरा करेंगे। शुभ समाचार मिल सकते हैं। लेखा-जोखा के कार्य में विशेष सावधानी बरतें। आप का अपना आप को धोखा दे सकता है।

कन्या: तिलहन में धन निवेश करते समय सावधानी बरतने की आवश्यकता है। समय शुभ व अनुकूल रहेगा। घर में शुभ व मांगलिक कार्यों की योजना बनेगी। संतान के वैवाहिक प्रस्ताव सफल होंगे।

तुला: लंबे समय से अटके रोजगार से संबंधित कार्य पूरे होंगे। नौकरी में कोई नया प्रस्ताव मिल सकता है। सरकारी कामों में सफलता मिलेगी। आलस्य, प्रमाद से बचें। यात्रा से धन प्राप्त होगा।

वृश्चिक: अनजाने में हुई गलती से दुखी होंगे। कार्यस्थल पर नई जिम्मेदारी मिल सकती है। समय मध्यम रहेगा। परिस्थिति में पहले से कुछ सुधार होगा। मन में आलस्य व निष्क्रियता के भाव होंगे। जीवन संगनी का साथ मिलेगा।

धनु: कारोबार विस्तार के लिए समय उपयुक्त है। जिस काम को हाथ में लेंगे, उसमें सफलता जरुरु मिलेगी। भावनात्मक स्तर पर महत्वपूर्ण निर्णय लेने पड़ सकते हैं। आपके कार्य की प्रशंसा होगी।

मकर: कई दिनों से अधूरे काम आज पुरे होंगे। धन की स्थिति में सुधार होगा। परिवार में शुभ प्रसन्न होंगे तथा स्वास्थ्य में सुधार होगा। चित्त प्रसन्न रहेगा, शुभ व अनुकूल समाचार प्राप्त होंगे।

कुम्भ: आपकी मनमर्जी के कारण नुकसान होने की संभावना है। अपने व्यवहार में नर्मी लाएं। यात्रा के योग बन रहे हैं। नकारात्मकता हावी होने से निर्णय लेने में विलंभ होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मीन: किसी की भी निंदा न करें। अपनों से व्यवहार कमजोर होगा। दोस्तों के साथ मनोरंजन आदि में समय व्यतित होगा। व्यापार में नई योजनाओं का शुभारंभ होगा। कार्यक्षेत्र में सामंजस्य जरूरी हैं। नौकरी में बदलाव होगा।

दोष एवं ग्रह-नक्षत्रों के बारे में प्रकाशित जानकारी ज्योतिषाचार्य के अनुमान-ज्ञान पर आधारित है।

जोक ऑफ द डे

मालिक ने नौकर से कहा– मच्छर मार दो,
लेकिन नौकर आलस में था।
थोड़ी देर बाद भी मच्छर गुनगुना रहे थे।
मालिक ने फिर नौकर से कहा– मच्छर मारे नहीं क्या?
नौकर ने मालिक से कहा– मच्छर तो मार दिये,
ये उनकी विधवा पत्नियों के रोने की आवाज है।

पप्पू– सबसे शुद्ध माल अपने कस्टमर को कौन बेचता है?
गप्पू– बिजली विभाग
पप्पू– वो कैसे?
गप्पू– हाथ लगाकर देख ,पता चल जाएगा।

रामू: मैं कभी ईट का जवाब पत्थर से नहीं देता,
श्यामू: क्यों ?
रामू: क्योंकि पत्थर खोजने में बहुत समय लग जाता है।

अगर आपके पास भी हैं मजेदार जोक्स तो प्रकाशित कराने के लिए हमें ईमेल करें :-
swarajindia2023@gmail.com

महाराजपुर : किशोरी की हत्या का पुलिस ने किया खुलासा

गांव के ही युवक ने दी थी वारदात को अंजाम

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर । महाराजपुर थाना क्षेत्र में हुई किशोरी की हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस घटना में गांव के ही एक युवक ने किशोरी की गला दबाकर हत्या की थी।

महाराजपुर थाना क्षेत्र के बिटिया गांव में 27 जनवरी 2025 को ग्रामीणों ने एक किशोरी का शव खेत में पड़ा देखा। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार, डीसीपी पूर्वी श्रवण कुमार सिंह सहित पुलिस बल मौके पर पहुंचा और जांच शुरू की। पुलिस ने इस मामले में कई टीमों को जांच में लगाया, जिसके बाद गांव के ही एक युवक उदयभान का नाम सामने आया।पुलिस जांच में पता चला कि किशोरी अपनी बकरी ढूंढने के लिए खेत में गई थी, जहां उदयभान गुल्ली–डंडा खेल रहा था। जब उसने किशोरी को अकेला देखा तो गलत नीयत से उसे पकड़ने की कोशिश की। किशोरी के विरोध करने और गांव में शिकायत करने की धमकी देने पर, नशे में धुत उदयभान ने गुस्से में आकर पहले किशोरी को धक्का दिया और फिर उसका गला दबाकर हत्या कर दी।

पुलिस ने आरोपी उदयभान को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मामले का खुलासा करते हुए डीसीपी पूर्वी श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है और उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

बमबाजी और फायरिंग का मामला

पुलिस कमिश्नर से मिले व्यापारी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। लालबंगला में बमबाजी और फायरिंग की घटना में पुलिस गांजा तस्कर समेत एक दर्जन लोगों को जेल भेज चुकी है। व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि पुलिस ने घटना में जबरन एक व्यापारी का नाम भी शामिल कर दिया है। व्यापार मंडल के पदाधिकारी मंगलवार को पुलिस कमिश्नर से मिले और जांच कराने की मांग की। 15 जनवरी की रात लाल बंगला पुरानी सब्जीमंडी स्थित सुनार वाली गली में फायरिंग व बमबाजी हुई थी। पुलिस ने गौरव जैन, फंडा कंज्जड़, पुल्लू उर्फ शिवांश और प्रिंस सलमान समेत एक दर्जन अज्ञात के खिलाफ सेवन सीएलए एक्ट व सार्वजनिक स्थान पर विस्फोटक फोड़ने की धारा में रिपोर्ट दर्ज की थी। पुलिस अब तक 11 आरोपियों गौरव जैन, साहिल उर्फ फंडा गिहार, देबू कुमार बाल्मीकि, रजाउल्ला, विशाल निगम उर्फ रामजी निगम, रामबाबू ठाकुर उर्फ शिवम, सुमित उर्फ शेरा, अतुल कश्यप और छोटू उर्फ अभिषेक सोनकर, राज गिहार, गोविन्द समेत गांजा तस्कर अंकित उर्फ अंकित तुत्तल को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। मंगलवार को विशंभरनाथ मार्केट युवा व्यापार मंडल के अध्यक्ष धीरज द्विवेदी, महामंत्री दिनेश चंद्र श्रीवास्तव, हरजेंदर नगर व्यापार मंडल अध्यक्ष सुशील कुमार गुप्ताआदि पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार से मिले। अध्यक्ष ने बताया कि पुलिस ने घटना में एक टेंट हाउस संचालक शिवांश राजपूत का नाम शामिल किया है जो एक व्यापारी हैं और वह घटना के समय मौजूद तक नहीं थे। उनका कहना है कि शिवांश राजूपत का नाम रंजिशन शामिल किया गया है। जिसके चलते मामले की जांच कराई जाए।

केडीए : ओएसडी से लेकर अभियंताओं के कार्यक्षेत्र बदले

» वीसी मदन सिंह गर्ब्याल ने किए कई बदलाव

» ओएसडी बृजेंद्र उपाध्याय से छिने महत्वपूर्ण सभी कार्य

7 साल से प्रवर्तन में जमे जेई पीके वर्मा को नहीं हटा सके वीसी

तबादला लिस्ट में एक नाम केडीए में चर्चा का विषय बना रहा वह है जेई पीके वर्मा का है। सूत्रों ने बताया कि पीके वर्मा 7 साल से प्रवर्तन में जमे हुए हैं। इतने वीसी आए और सभी के तबादले किए गए लेकिन पीके वर्मा को कोई नहीं हिला सका। बस, पीके वर्मा का तबादला के नाम पर प्रवर्तन में जोन बदला गया। केडीए में पीके वर्मा को कौन संरक्षण दे रहा है। यह जांच का विषय है। वीसी को इसका संज्ञान लेना चाहिए क्यों कि इससे पारदर्शिता पर सवाल खडे हो रहे हैं। वहीं, एई संदीपमोदन वाल को प्रवर्तन का जोनल अधिकारी बना दिया गया है। बताया जा रहा है कि मोदनवाल अभी सही से एई नहीं बने लेकिन बिना अनुभव के इतना बडा दायित्व देना भी कहीं न कहीं प्रश्नचिन्ह खडे करता है। केडीए में कई सीनियर एई भी हैं इनको मौका दिया जा सकता था।

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। केडीए में बीते दिनों चतुर्थ श्रेणी कर्मियों के तबादले किए गए थे, सालों से एक क्षेत्र एवं अनुभाग जमे कर्मियों को हटा दिया गया था। मंगलवार को ओएसडी और अभियंताओं के कार्यक्षेत्र ताश के पत्तों की तरह फेंट दिए गए हैं। इनमें कई अभियंताओं को किनारे किया गया। ओएसडी बृजेंद्र उपाध्याय की सेटिंग बिगडी तो उनके सारे विभाग हटा दिए गए। तबादलों को लेकर केडीए में तरह तरह चर्चा होती रही।

वीसी कार्यालय के अनुसार कार्य एवं प्रशासनिक व्यवस्था के आधार पर तबादले किए गए हैं।

अभियंत्रण सिविल जोन–1 के प्रभारी अधिशाषी अभियंता अमनदीप तिवारी के साथ एई नितिन भारद्वाज, जोन–2 अमनदीप तिवारी के साथ एई सीबी पांडेय, जोन–3 मयंक यादव के साथ एई सुधांशु श्रीवास्तव, जोन–4 में माधवी कुशवाहा के साथ एई प्रवीन शर्मा को तैनात किया गया है।

इसी तरह से प्रवर्तन में जोन–1 में ओएसडी सत शुक्ला के साथ सहप्रभारी एई सीके चतुर्वेदी, अरविंद उपाध्याय रहेंगे। जोन–2 में ओएसडी डा. रविप्रताप सिंह के साथ सह प्रभारी एई सीबी पांडेय रहेंगे। जोन–3 में ओएसडी अजय कुमार साथ सह प्रभारी एई रंगनाथ सिंह व जेई रामदास, अर्पण सिंह रहेंगे। जोन–4 में प्रभारी अधिशाषी अभियंता को जोन का चार्ज दिया गया है। उनके साथ सह प्रभारी एई प्रवीन शर्मा और जेई रामदास, अर्पण सिंह रहेंगे।

विक्रय में जोन–1 सतशुक्ला सह प्रभारी मीनाक्षी गुप्ता, जोन–2 डा. रविप्रताप सिंह, सह प्रभारी आरआई राजेश कुमार, जोन–3 में ओएसडी अजय कुमार के साथ सह प्रभारी एई संदीप मोदनवाल, जोन–4 में ओएसडी सत शुक्ला के साथ मीनाक्षी गुप्ता रहेंगी। आईजीआरएस संदर्भ, डैशबोर्ड, केडीएलेटर मैनेजमेंट ओएसडी बृजेंद्र उपाध्याय देंखेगे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 । **Email:** swarajindia2023@gmail.com । **Mob:** 7800009853, । **Website:** www.swarajindianews.com । प्रधान संपादक रतन प्रकाश सिंह (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

रूरा में अवैध अतिक्रमण पर गरजा बुलडोजर

» आरओबी के दोनों ओर सर्विस लेन पर अवैध अतिक्रमण से लगता था घंटों जाम

» नगर पंचायत ने जाम की समस्या को देख उठाया बड़ा फैसला,गरजा बुलडोजर

» चेयरमैन ने कहा कि रोड पर न लगाए दुकान, नहीं तो होगी कार्यवाही

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। कस्बा क्षेत्र में बीते कई वर्षों से नवनिर्मित आरओबी के सर्विस लेन के दोनों तरफ अवैध अतिक्रमण ने अपना साम्राज्य स्थापित कर लिया था इससे सड़के सकरी हो गई थीं और कस्बे में दिन भर जगह जगह जाम जैसे हालात बने रहते थे। उसी के चलते मंगलवार को कस्बे में नगर पंचायत प्रशासन ने बुलडोजर चलाकर अवैध अतिक्रमण हटवाया। कस्बे में नहर पुल से लेकर स्टेशन मार्ग व अकबरपुर मुख्य मार्ग पर जबरदस्त अतिक्रमण है। जाम की बड़ी वजह बन रहे अतिक्रमण पर नगर पंचायत प्रशासन की नजर टेढ़ी हो गई। नगर पंचायत अध्यक्ष रामजी गुप्ता, लिपिक शहनूर अली, सफाई कर्मियों की टीम और जेसीबी के साथ पहुंचे और अवैध अतिक्रमण पर अभियान चलाया। प्रशासन की टीम ने सड़कों और नालियों पर हुए अतिक्रमण को हटवा दिया। नहर पुल से लेकर नवनिर्मित आरओबी के दोनों ओर सर्विस लेन पर अकबरपुर की ओर तक रोड पर अभियान चलाकर अतिक्रमण हटवाया गया साथ ही व्यापारियों को आगे भविष्य में अतिक्रमण करने पर सख्त कार्यवाही की चेतावनी भी प्रशासन द्वारा दी गई व्यापारियों में सारा दिन अफरा तफरी का माहौल बना रहा। तमाम स्थानों पर व्यापारी अपना सामान स्वयं समेटते नजर आए कस्बा क्षेत्र से गुजरने वाली मुख्य सड़क के किनारे दोनों ओर बनी नालियों तक अस्थाई अतिक्रमण होने से लगातार भीषण जाम की समस्या उत्पन्न हो रही थी आए दिन ग्रामीण जाम की समस्या से जूझते नजर आ रहे थे। जाम की समस्या को देखते हुए मंगलवार को नायब तहसीलदार रवींद्र मिश्रा, लेखपाल वरुण कटियार, कस्बा चौकी इंचार्ज राकेश सिंह, धर्मेन्द्र मलिक की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाने का अभियान शुरू हुआ। सड़क किनारे बनी नालियों तक फैले टीन शेड को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया। साथ ही व्यापारियों को सड़क किनारे बनी नाली के बाहर कोई भी सामान न रखने की हिदायद दी गई। अतिक्रमण हटने से से क्षेत्रीय लोगों को अब आए दिन लगने वाले जाम की समस्या से निजात मिलेगी।

दरोगा की लापरवाही से लावारिस में गया युवक का शव, सस्पेंड

» जबकि मृतक की जेब में मिला आधार कार्ड

पुलिस अधीक्षक ने दरोगा किया निलंबित कर दिया विभागीय जांच का आदेश

संवाददाता स्वराज इंडिया

सरवनखेड़ा माती। दरोगा की लापरवाही के चलते पांच दिनों से भटक रही पत्नी को पति के बारे में पता नहीं चला। रनिया दरोगा ने शव को लावारिस दिखा कर पोस्टमार्टम भेज दिया। पोस्टमार्टम होने जा रहा था तो शर्ट की जेब से उसका आधार कार्ड मिला जिससे शव की शिनाख्त हो गई। पंचनामा करवाने वाले दरोगा ने शव की तलाशी तक नहीं ली थी।

समय रहते अगर तलाशी ले ली जाती तो पत्नी को पांच दिनों से दर-दर की ठोकरें ना खानी पड़ती है। जब कि गजनेर थाने में मृतक की गुमशुदगी दर्ज थी। कानपुर देहात पुलिस अधीक्षक में बी बी जी टी एस मूर्ति ने दरोगा को निलंबित कर विभागीय जांच के आदेश दिया है।

अधिक खून बहने के कारण मौत की पुष्टि हुई है। दोनों पैर की हड्डी व बायां हाथ भी टूटा हुआ है। हाइवे पर दुर्घटना होने की आंशका है।

गुमशुदा पति की तलाश में भटक रही पत्नी

गजनेर पुलिस को गुमशुदगी की दी तहरीर

संवाददाता, स्वराज इंडिया

सरवनखेड़ा/माती। जरैला गांव निवासी सरिता देवी ने गुमशुदा पति की तलाश करने के लिए गजनेर थाना में गुमशुदगी की तहरीर दी। बता दे कि गजनेर थाना जरैला निवासिनी सरिता देवी ने तहरीर देकर पुलिस से बयां किया कि मेरा पति मोहित कुमार पुत्र गेंदालाल घर से 28 तारीख को रनिया में गौरव पुत्र योगेन्द्र सिंह ग्राम चिटिकपुर निवासी के साथ दारू पी रहा था। वहा से भाई पिंटू ने नशे कि हालत पर मोहित कुमार को घर लेकर आये । दूसरे दिन सुबह 29 तारीख को मेरा पति मोहित कुमार घर से कह कर कानपुर नगर काम करने के लिए निकला था। शाम होने के बाद भी मोहित घर पर नहीं आये तो चिंता होने लगी। फोन करने पर उनका फोन स्विच आफ आ रहा था। खोजबीन की गई लेकिन कहीं कुछ पता नही चला चार दिन से लगातार हर जगह तलाश किया गया दोस्तों के पास रिश्तेदारों के पास लेकिन कहीं कुछ पता नही चला। चिंता होने पर गजनेर थाने मे गुमशुदगी की तहरीर देकर पुलिस से तलाश करने की गुहार लगाई। वही थाना प्रभारी से इस विषय में वार्तालाप करने पर बताया कि गुमशुदगी की तहरीर दी है रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। गुमशुदा मोहित की तलाश में गजनेर पुलिस तन्मयता से लगी हुई है।

ग्राम लहरापुर में 75 मेगावाट का सौर पावर प्लांट लगेगा

परियोजना की भूमि की वायर फैंसिंग के कार्य का सीडीओ ने किया निरीक्षण, दिए निर्देश

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन0 द्वारा विकास खंड अकबरपुर में ग्राम लहरापुर में 75 मेगावाट क्षमता की सौर पावर परियोजना की भूमि की वायर फैंसिंग के कार्य का निरीक्षण किया गया। कार्यदायी संस्था ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के अधिशासी अभियंता मार्शल कुमार द्वारा मुख्य विकास अधिकारी को जानकारी दी गई कि 7.5 किलोमीटर लंबी इस वायर फैंसिंग की कुल लागत रू 0 14.615 लाख मात्र है। लगभग 500 पिलर का प्रतिस्थापन मौके पर किया जा चुका है परंतु कतिपय अराजक तत्वों द्वारा लगभग 400 पिलर तोड़ दिए गए हैं। मौके पर मुख्य विकास अधिकारी द्वारा उपजिलाधिकारी अकबरपुर को दूरभाष पर अराजक तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने हेतु कहा गया। नेडा विभाग द्वारा नियुक्त केयर टेकर द्वारा कतिपय अराजक तत्वों के नाम मौके पर उपस्थित संबंधित

लेखपाल को नोट कराए गए। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा संबंधित लेखपाल को कड़ी कारवाई हेतु निर्देश दिए गए। इस अवसर पर नेडा के परियोजना निदेशक राकेश कुमार पाण्डेय, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के अधिशासी अभियंता मार्शल कुमार, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के सहायक अभियंता विश्वजीत त्रिवेदी इत्यादि लोग मौके पर मौजूद थे। मौके पर उपस्थित ठेकेदार के प्रतिनिधि को निर्देश दिए गए की तत्काल गुणवत्ता युक्त कार्य कराते हुए पूर्ण कराए यदि कोई व्यवधान किसी व्यक्ति द्वारा उत्पन्न किया जाता है तो तत्काल उस संबंध में तहरीर थाने में दी जाए एवं एसडीएम को अवगत कराया जाए ।अधिशासी अभियंता द्वारा पी ओ नेडा को अवगत कराया गया कि कार्य पूर्ण होते ही तत्काल उसको उसी दिन हस्तांतरण कर लिया जाए। संभव हो तो हर दिन जो फेंसिंग का कार्य पूर्ण हो उसको हस्तगत कर लिया जाए।

दिल्ली चुनाव में आप और बीजेपी के बीच अब कांटे की टक्कर, जानिए पूरा समीकरण

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली के चुनाव को आप, बीजेपी और कांग्रेस के बीच त्रिकोणीय मुकाबला सभी लोग मानते हैं। लेकिन यह सच नहीं है।हकीकत में दिल्ली में हमेशा से द्विध्रुवीय मुकाबला बन रहा है। यह मुकाबला आप और बीजेपी के बीच है। कांग्रेस का कोई खास दमखम नहीं दिखता। 2020 के चुनाव में 70 में से 55 सीटों पर प्रत्याशियों को पूर्ण बहुमत से जीत मिली थी।

यानी, जीतने वाले उम्मीदवार को 50फीसदी से ज्यादा वोट मिले थे। इनमें से 51 सीटें आप ने और 4 बीजेपी ने जीती थीं। कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिली। सिर्फ 15 सीटों पर ही त्रिकोणीय मुकाबले हुए थे।

और आपका दिल्ली पर कब्जा करना काबिले तारीफ है। राजनीतिक विश्लेषक हैरान हैं कि बीजपे की अपार लोकप्रियता के सामने आप टिकी हुई है।बीजेपी के उदय और दबदबे का कारण मध्य वर्ग का समर्थन माना जाता है। लेकिन, आप की शुरुआत अन्ना हजारे के नेतृत्व वाले भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन और दिल्ली के मध्य वर्ग के भारी समर्थन से ये धारणा टूटती है कि मध्य वर्ग एक ही पार्टी को वोट देता है।

आप के लिए चुनौती है कि 'रेवड़ी राजनीति' के आरोपों ने उसे कितना नुकसान पहुंचाया है। चुनाव नतीजे बताएंगे कि गरीबों को 'मुफ्त की चीजें' देकर आप का मध्य वर्ग में समर्थन लगातार घटा है या नहीं।मध्य वर्ग का एक बड़ा हिस्सा राष्ट्रीय चुनावों में बीजेपी का समर्थक है।

यह अभी साफ नहीं है कि उत्तर, उत्तर-पश्चिम और दक्षिण-पश्चिम दिल्ली में शहरी गरीबों का समर्थन पाकर आप ने मध्य वर्ग को नाराज किया है या नहीं।

इसके अलावा कांग्रेस की रैलियां दलितों और मुसलमानों को लुभाने में जुटी हैं, जो शहर के गरीबों का एक बड़ा हिस्सा हैं, खासकर पूर्वी इलाकों में। आप के सामाजिक गठबंधन में सेंध लगाने की यह रणनीति बीजेपी को आप से वोट शेयर छीनने में मदद कर सकती है।

लेकिन शहर के दूसरे हिस्सों में इसका कितना असर होगा? शायद ज्यादा नहीं। सार ये है कि दिल्ली का चुनाव एक बार फिर से द्विध्रुवीय मुकाबला जमकर होगा।

प्रेमजाल में फंसाकर किया विवाह, विवाहिता की हुई संदिग्ध मौत,पति समेत पांच पर केस दर्ज

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अमेठी।जिले के मुसाफिरखाना थाना क्षेत्र के एक गांव में बीते 31 जनवरी की देर शाम पति-पत्नी के बीच हुए विवाद के बाद पत्नी द्वारा फंदे से लटक कर जान देने के मामले में मृतका के पिता ने उसके पति सहित पांच के विरुद्ध दहेज प्रताड़ना का केस दर्ज कराया है। केस दर्ज कर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है।

मिली जानकारी के मुताबिक बीते शुक्रवार की शाम पिंडारा महाराज निवासी शिवमंगल की पत्नी आराधना की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गयी थी।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में फांसी लगने से आराधना की मौत होने की पुष्टि हुई थी।पुलिस को अग्रिम आवश्यक कार्रवाई के लिए तहरीर का इंतजार था।सोमवार की शाम मृतका के पिता ने थाना पहुंच कर पुलिस को तहरीर देते हुए बताया कि बीते वर्ष 4 जुलाई में शिवमंगल ने उनकी बेटी आराधना को प्रेम जाल में फंसाकर विवाह कर लिया था और आरोप लगाया कि विवाह के कुछ दिनों बाद ही उसका पति शिवमंगल, देवर,सास व ससुर शादी के दो माह बाद ही दहेज के लिए उनकी बेटी को प्रताड़ित करने लगे थे।जिसकी जानकारी कुछ माह पूर्व उनकी बेटी ने फोन कर अपने भाई को दी थी।इन लोगों की प्रताड़ना से तंग आकर ही उनकी बेटी ने आत्महत्या कर ली।आराधना की मौत की सूचना उसके ससुराली जनों ने उसे नहीं दी। बेटी की मौत की जानकारी होने पर परिवार गहरे सदमे में आ गया। सदमे से उबरने के बाद वह आवश्यक कार्रवाई के लिए पुलिस को तहरीर दे रहे हैं।

एसएचओ मुसाफिरखाना विवेक कुमार सिंह ने बताया कि मृतका के पिता की तहरीर पर नामजद पांच आरोपियों के विरुद्ध दहेज उत्पीड़न की धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

महाकुंभ भगदड़ः बहराइच के वृद्ध की हुई मौत

बहराइच। जिले के औराही गांव से 28 जनवरी को कुंभ स्नान के लिए बेटे के साथ गए वृद्ध की भगदड़ में मौत हो गई। काफी खोजबीन के बाद पता न चलने पर बस जिले को रवाना हो गई। परिवार के लोग दोबारा खोजबीन के लिए गए तो मोतीलाल नेहरू मर्च्यूरी में शव मिला। जिला मुख्यालय पर शव पोस्टमार्टम के लिए रखवा दिया गया है।

हरदी थाना औराही गांव से कुंभ स्नान के लिए बस गई थी। जिसमें क्षेत्र के लोग भी कुंभ के लिए गए थे। गांव निवासी सोहन (56) बेटे पांचू के साथ मौनी अमावस्या पर स्नान के लिए 28 जनवरी को पहुंचे। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि रामफल मिश्रा ने बताया कि वहां कुंभ भगदड़ में 28 की रात को सोहन की मौत हो गई। साथ के लोगों ने काफी खोजबीन की, लेकिन कुछ पता नहीं चला। इस पर बस से अन्य लोग वापस गांव आ गए। इसके बाद बेटा पांचू समेत अन्य परिवार के लोग प्रयागराज गए। वहां खोजबीन की तो मोतीलाल नेहरू मर्च्यूरी में शव मिला। बेटे राजेश ने बताया कि प्रयागराज से शव लेकर आए हैं।

मोदी ने त्रिवेणी संगम में लगाई आस्था की डुबकी

मंत्रोच्चार के बीच किया स्नान- लगाया ध्यान, मुख्यमंत्री योगी भी रहे प्रधानमंत्री के साथ

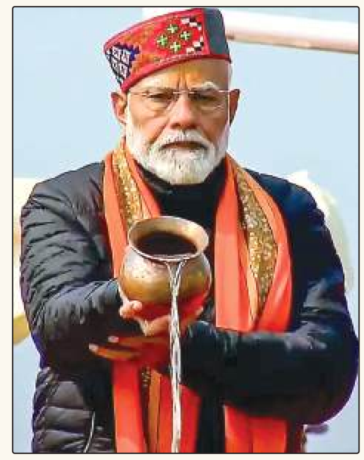

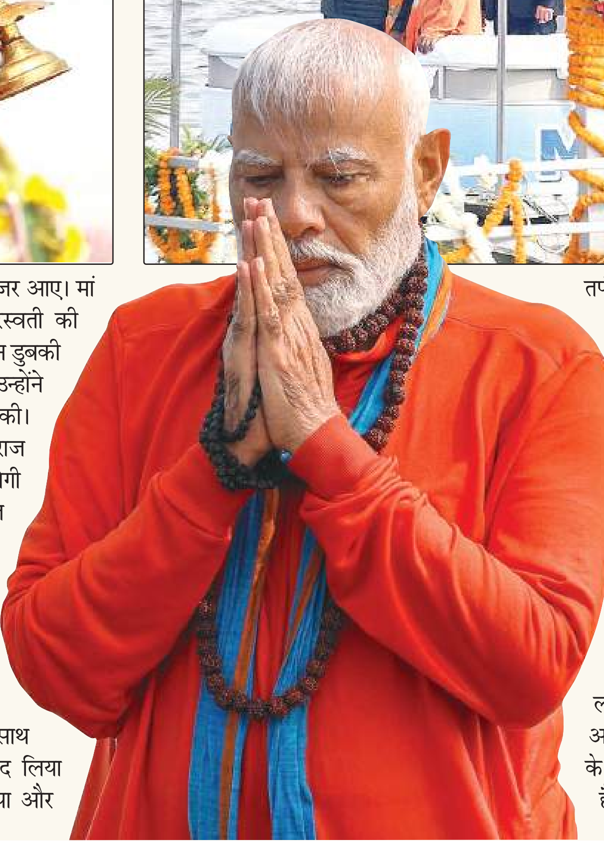

» प्रयागराज, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

महाकुंभ की अष्टमी पर पावन संगम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आस्था की डुबकी लगाई। संगम में स्नान ध्यान और पूजा आरती के बाद प्रधानमंत्री विशेष मोटर बोट से मेला क्षेत्र से निकल गए। इस दौरान उनके साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहें।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को प्रयागराज महाकुम्भ में मां गंगा, मां यमुना और मां सरस्वती की त्रिवेणी के पावन संगम में पुण्य की डुबकी लगाकर पूरी दुनिया को एकता का संदेश दिया। वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने पूरी आस्था और श्रद्धा के साथ त्रिवेणी संगम में स्नान किया। पावन डुबकी लगाने से पहले प्रधानमंत्री ने भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया। इस दौरान वह रुद्राक्ष की माला का जप करते भी नजर आए। मां गंगा, मां यमुना और मां सरस्वती की अराधना करते हुए उन्होंने पावन डुबकी लगाई। डुबकी लगाने के बाद उन्होंने गंगा पूजन और आरती भी की। इससे पूर्व प्रधानमंत्री के प्रयागराज आगमन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत किया।

त्रिवेणी संगम पर डुबकी लगाने से पूर्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विधिवत पूजा अर्चना की। संगम में उतरने से पहले पीएम ने सबसे पहले आस्था के साथ जल को स्पर्श कर आशीर्वाद लिया और फिर सूर्य को अर्घ्य दिया और तर्पण भी किया। संगम स्नान के बाद उन्होंने पूरे विधि विधान से पूजन अर्चन भी किया।

काले कुर्ते और भगवा पटके व हिमांचली टोपी पहने पीएम मोदी ने वैदिक मंत्रों और श्लोकों के बीच संगम त्रिवेणी में अक्षत, नैवेद्य, पुष्प, फल और लाल चुनरी अर्पित की। इसके बाद उन्होंने संगम स्थल पर तीनों पावन नदियों की आरती भी उतारी। वहा मौजूद तीर्थ पुरोहित ने उनका टीका लगाकर अभिनंदन किया। पूजन अर्चन के बाद पीएम मोदी, मुख्यमंत्री के साथ उसी बोट पर बैठकर वापस हैलीपैड की ओर रवाना हो गए।

महाकुम्भ में जहां दुनिया भर के श्रद्धालुओं का समागम हो रहा है, वहां प्रधानमंत्री ने पावन डुबकी के माध्यम से पूरी दुनिया को एक भारत श्रेष्ठ भारत और वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश दिया। बुधवार को पीएम मोदी का संगम स्नान बहुत महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक क्षण रहा। इस दौरान विशिष्ट योग का भी संयोग रहा। दरअसल, बुधवार का दिन विशेष था, क्योंकि हिंदू पंचांग के अनुसार इस समय गुप्त नवरात्रि चल रही है और बुधवार को भीष्माष्टमी भी थी। गुप्त नवरात्रि पर जहां देवी पूजन किया जाता है तो वहीं, भीष्माष्टमी पर श्रद्धालु अपने पुरखों का तर्पण और श्राद्ध भी करते हैं।

प्रयागराज पहुंचने पर सीएम योगी ने किया स्वागत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुबह प्रयागराज एयरपोर्ट पहुंचे, जहां से वह एमआई 17 हेलिकॉप्टर में बैठकर डीपीएस हेलिपैड पहुंचे। यहां पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत और अभिनंदन किया। यहां से प्रधानमंत्री अरैल घाट पहुंचे, जहां से विशेष बोट पर सवार होकर उन्होंने त्रिवेणी संगम का रुख किया। बोट पर उनके साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। इस दौरान प्रधानमंत्री महाकुम्भ में की गई व्यवस्थाओं और श्रद्धालुओं को दी जा रही सुविधाओं के विषय में सीएम योगी से जानकारी लेते हुए भी दिखाई दिए। बोट से भ्रमण के दौरान पीएम ने त्रिवेणी संगम में मौजूद श्रद्धालुओं का भी अभिवादन स्वीकार किया।

बिना टोल दिए निकली सपा सांसद जितेंद्र दोहरे के बेटे की बारात!

इटावा सांसद के गनरों ने दिखाई, दबंगई 30 वाहनों का जबरन निकाला काफिला

» सांसद बोले, टोल पर फास्टैग के जरिए पास कराई गाड़ियां।

» सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल।

» काफिले में नौ लग्जरी कारें और एक बस शामिल

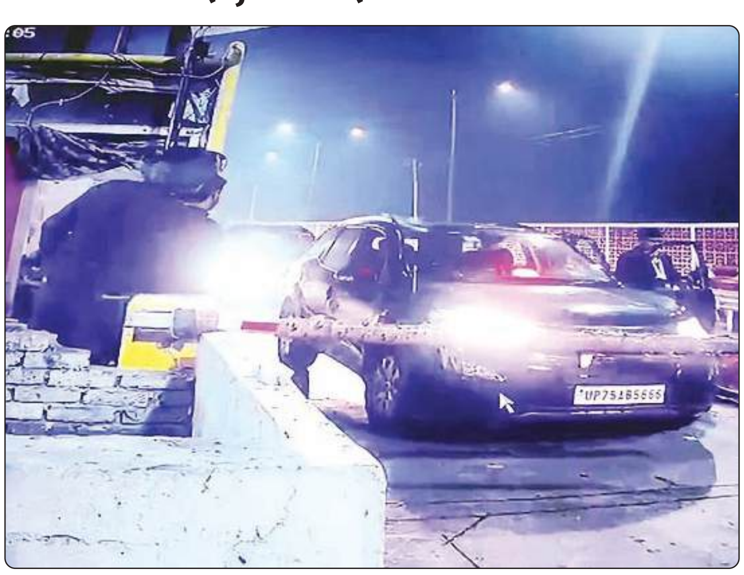

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

एत्मादपुर (आगरा)। लखनऊ एक्सप्रेसवे के रास्ते शहर आ रहे कारों के काफिले में शामिल इटावा के सांसद के दो गनर ने जमकर दबंगई दिखाई। इनर रिंग रोड के टोल पर कार से उतरे दो गनरों ने सांसद जी की बरात बताते हुए गाड़ियां निकलवाने को कहा। इससे इन्कार पर कर्मचारियों से अभद्रता करते हुए बूम उठाकर जबरन पूरा काफिला निकलवा दिया। काफिले में 29 लग्जरी कारें और एक बस शामिल थी। टोल मैनेजर ने दोनों गनर के खिलाफ नामजद तहरीर व सीसीटीवी फुटेज भी पुलिस को दिए हैं।

मंगलवार रात साढ़े आठ बजे की है। लखनऊ एक्सप्रेसवे की तरफ से रहनकलां टोल की लेन नंबर 16 पर गाड़ियों का काफिला पहुंचा। आगे चल रही कार से उतरे यूपी पुलिस के दो गनर पहुंचे। कार से उतरे दोनों गनर ने कहा कि इटावा सांसद जी की बरात जा रही है। सांसदजी गाड़ी में बैठे हैं, इसलिए बूम को खोलो और जाने दो। कर्मचारियों ने इन्कार कर दिया। इसके बाद मैनेजर शिववीर सिंह का फोन नंबर लेकर बात की। मैनेजर ने बताया कि गाड़ियां निजी कार्य से जा रही थीं, इसलिए उन्हें बिना पैसे दिए निकालने से इन्कार कर दिया। सिपाहियों ने धमकाया हुए कहा कि हम एक्सप्रेसवे के टोल से निकलकर आए हैं, तुम पैसे लोगे। इसके बाद दोनों ने कर्मचारियों से अभद्रता करते हुए जबरन बूम उठाकर गाड़ियां निकलवाना शुरू कर दिया।

लगभग 20 मिनट तक एक के बाद एक गाड़ियां निकलती रहीं और आखिरी में एक बस भी निकलवाई गई। एकाउंट प्रबंधक नारायण सिंह यादव की ओर से दी गई तहरीर में लिखा है कि इटावा के सांसद जितेंद्र कुमार दोहरे की सुरक्षा में तैनात गनर शिव कुमार व रंजीत कुमार ने टोल से शुल्क दिए बगैर 30 से 35 गाड़ियां निकाली हैं। टोल कर्मचारियों से अभद्रता की गई। काफिले के आगे वाली जिस कार से गनर उतरे, उसके डैश बोर्ड पर लाल बत्ती रखी थी, जो लगातार घूम रही थी। यह गाड़ी किसकी थी, इसका पता नहीं चला है।

इंस्पेक्टर विजय विक्रम सिंह ने बताया कि घटना की जानकारी नहीं है, तहरीर आने पर कार्यवाही की जाएगी। सांसद जितेंद्र दोहरे का कहना है कि मेरे बेटे की बरात आगरा आई है। सभी गाड़ियों पर फास्टैग लगा था, जिससे टोल कटा है। टोल कर्मचारियों ने वीआइपी लेन खुलवा गाड़ियां निकलवाईं। जबरदस्ती वाली कोई बात नहीं हुई।